हिन्दी

(वसंत)(पाठ 15)(मोहनदास करमचंद गांधी – आश्रम का अनुमानित व्यय)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

लेखा–जोखा

प्रश्न 1:

हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। गांधी जी छेनी, हथौड़े, बसूले क्यों खरीदना चाहते होंगे ?

उत्तर 1:

गॉधी जी हर छोटा–बड़ा कार्य स्वयं करते थे और दूसरों को भी यही समझाया करते थे कि हमें अपना हर कार्य स्वयं ही करना चाहिए । कोई भी काम किसी के लिए छोटा या बड़ा नहीं होता , यह केवल हमारी सोच पर निर्भर करता है । हर काम स्वयं करने से हमारे अंदर आत्मनिर्भरता आती है । गॉधी जी छेनी ,हथौड़े ,बसूली आदि इसलिए खरीदना चाहते थे क्योंकि वह लोगों को यह बताना चाहते थे कि ये घर में रोजमर्रा के काम की चीजें हैं उन्हें हमें अपने घर में रखना चाहिए ।

प्रश्न 2:

गांधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उन पर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब–किताब के प्रति गांधी जी की चुस्ती का पता चलता है।

उत्तर 2:

छात्र अपने पुस्तकालय और शिक्षक की मदद से उपरोक्त पश्न को हल करने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न 3:

मान लीजिए, आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसका अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन–किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नयी मदों को जोड़ना–हटाना चाहेंगे ?

उत्तर 3:

छात्र पाठ के आधार पर अनुमानित व्यय के लिए प्रेरणा लेकर बाल आश्रम के लिए बजट तैयार करेंगे ।

प्रश्न 4:

आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे–मोटे काम ;जैसे घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए, जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे ? उन कामों की सूची भी बनाइए, जिन्हें आप सीखकर ही छोड़ेंगे।

उत्तर 4:

हर छात्र की रुचि अलग–अलग होती है कोई किसी काम को अच्छी तरह सीख सकता है कोई उसी काम को सीख ही नहीं सकता इसलिए छात्र अपनी रुचि के अनुरूप ऐसे पश्न के अनुसार कार्यों की सुची तैयार करेंगे ।

प्रश्न 5:

इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या–क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं ?

उत्तर 5:

गंधीजी एक बड़े आंदोलन का संचालन कर रहे थे और उनसे मिलने आश्रम में लोंगों के आने का तांता लगा रहता था। उन सब की आवभगत ओर आश्रम के संचालन के लिए एक बजट अनिवार्य था । गांधीजी ने लोगों को स्वावलम्बी बनाने पर जोर दिया उनका एक ही उद्देश्य था कि हम स्वावलम्बी बनें ओर अपने काम स्वयं करें जब हम अपना काम स्वयं करेंगे तो हम तन और मन दोनों से स्वस्थ रहेंगे ।

भाषा की बात

प्रश्न 1.

अनुमानित शब्द अनुमान में इत प्रत्यय जोड़कर बना है। इत प्रत्यय जोड़ने पर अनुमान का 'न' नित में परिवर्तित हो जाता है। नीचे इत प्रत्यय वाले कुछ और शब्द लिखे हैं। उनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है

प्रमाणित	व्यथित	द्रवित	मुखरित
झंकृत	शिक्षित	मोहित	चर्चित

इत प्रत्यय की भाँति इक प्रत्यय से भी शब्द बनते हैं और तब शब्द के पहले अक्षर में भी परिवर्तन हो जाता है; जैसे सप्ताह के इक + साप्ताहिक। नीचे इक प्रत्यय से बनाए गए शब्द दिए गए हैं। इनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है

मौखिक	संवैधानिक	प्राथमिक
नैतिक	पौराणिक	दैनिक

उत्तर-

इत प्रत्यय युक्त शब्द

मूल शब्द	प्रत्यय
प्रमाणित	प्रमाण + इत
झंकृत	झंकार + इत
व्यथित	व्यथा + इत
द्रवित	द्रव + इत
मुखरित	मुखर + इत
शिक्षित	शिक्षा + इत
द्रवित	द्रव + इत
मोहित	मोह + इत
मुखरित	मुखर + इत
चर्चित	चर्चा + इत

मौखिक	मुख + इक
नैतिक	नीति + इक
संवैधानिक	संविधान + इक
पौराणिक	पुराण + इक
प्राथमिक	प्रथम + इक
दैनिक	दिन + इक

प्रश्न 2.

बैलगाड़ी और घोड़ागाड़ी शब्द दो शब्दों को जोड़ने से बने हैं। इसमें दूसरा शब्द प्रधान है, यानी शब्द का प्रमुख अर्थ दूसरे शब्द पर टिका है। ऐसे समास को तत्पुरुष समास कहते हैं। ऐसे छह शब्द और सोचकर लिखिए और समझिए कि उनमें दूसरा शब्द प्रमुख क्यों है?

उत्तर-

राहखर्च	क्रीडाक्षेत्र
तुलसीकृत	घुड़सवार
गंगाजल	वनवास

इन शब्दों में दूसरा शब्द प्रमुख है क्योंकि दूसरा शब्द पहले शब्द की सार्थकता को स्पष्ट कर रहा है।

जैसे-

राहखर्च	राह के लिए खर्च
तुलसीकृत	तुलसी द्वारा कृत
गंगाजल	गंगा का जल
क्रीडाक्षेत्र	क्रीड़ा के लिए क्षेत्र
घुड़सवार	घोड़े पर सवार
वनवास	वन में वास